



कागज़ मोड़कर बना ओरिगामी सूक्ष्मदर्शी

भारत के जैव टेक्नॉलॉजी विभाग और यूएस के स्टेन्फोर्ड विश्वविद्यालय के प्रकाशलैब्स के बीच प्रस्तावित साझेदारी के ज़रिए जल्दी ही देश के स्कूल-कॉलेजों में एक ऐसा सूक्ष्मदर्शी उपलब्ध होगा, जिसे कागज़ को मोड़कर बनाया गया होगा।

दरअसल, फोल्डस्कोप नामक इस सूक्ष्मदर्शी का निर्माण स्टेन्फोर्ड विश्वविद्यालय के मनु प्रकाश ने किया है। भारतीय मूल के मनु प्रकाश स्टेन्फोर्ड विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं। फोल्डस्कोप एक ऐसा सूक्ष्मदर्शी है जिसे एक कागज़ पर छापा जाता है। इस कागज़ पर मोड़ने के निर्देश भी छापे जाते हैं। जब इन निर्देशों के अनुसार इसे मोड़ा जाता है तो सूक्ष्मदर्शी तैयार हो जाता है। इसकी लागत 1 डॉलर (करीब 70 रुपए) से भी कम आती है और अनुमान है कि इससे किसी वस्तु का प्रतिबिम्ब 2000 गुना बड़ा बनता है।

जैव टेक्नॉलॉजी विभाग के सचिव कृष्णास्वामि विजयराघवन ने प्रकाश से संपर्क करके इस फोल्डस्कोप में रुचि जताई। इस संपर्क के परिणामस्वरूप एक साझेदारी विकसित हुई है जिसके तहत फोल्डस्कोप को देश के 80 कॉलेजों और कार्यक्रमों में वितरित किया जाएगा।

प्रकाश की इच्छा है कि दुनिया के हर बच्चे के हाथों में एक सूक्ष्मदर्शी हो ताकि वे अपने आसपास की चीज़ों का अवलोकन कर सकें। जैव टेक्नॉलॉजी विभाग चाहता है कि 'नागरिक विज्ञान' को बढ़ावा मिले ताकि देश के युवाओं में जिज्ञासा पैदा हो। इसके प्रायोगिक परीक्षण के बाद योजना यह है कि प्रकाशलैब और भारतीय संस्थाएं मिलकर कई अन्य उपकरणों में इसी तरह के नवाचार का प्रयास करेंगे। (स्रोत फीचर्स)